Regional Coordinating Institute, Unnat Bharat Abhiyan
IIT Roorkee

(News Clipping)

अमर उजाला
शुक्रवार • 29.05.2020

पानी के संरक्षण और संवर्धन में प्रबंधन की अहम भूमिका

जल सुरक्षा विषय पर आयोजित वेबिनार में 163 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

संवाद न्यूज एजेंसी

रुड़की। आईआईटी रुड़की की ओर से उन्नत भारत अभियान के तहत देश के पर्वतीय क्षेत्रों के लिए जल सुरक्षा विषय पर आयोजित वेबिनार में 12 राज्यों के 163 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पर्यावरणविद डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि पानी के संरक्षण, संवर्धन और उपयोग में प्रबंधन की बहुत बड़ी भूमिका है। इसके लिए भारत की प्राचीनतम ज्ञान प्रणाली और आधुनिक विज्ञान का समन्वित प्रयास होना चाहिए, तभी हम देश-दुनिया को जल संकट से निजात दिला सकते हैं।

बृहस्पतिवार को रीजनल कोऑर्डिनेटिंग इंस्टीट्यूट उन्नत भारत अभियान, आईआईटी रुड़की और जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन विभाग की ओर से आयोजित वेबिनार में जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वोत्तर भारत, अंडमान निकोबार द्वीप, अरुणाचल प्रदेश, असम, दमन और दीव, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पुडुचेरी, सिक्किम, त्रिपुरा से 163 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वेबिनार में आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. एके चतुर्वेदी ने कहा कि जल सुरक्षा के क्षेत्र में कार्य करने के लिए हमें इकोलॉजी और इकोनॉमी दोनों को ध्यान में रखना होगा। तभी हम इस क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं।

पर्यावरणविद् डॉ. अनिल जोशी ने भी वेबिनार में दिए सुझाव

प्रो. एम परीडा ने कोविड-19 की परिस्थितियों में पर्वतीय क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता के साथ ही बाहर से आने वाले प्रवासी श्रमिकों के लिए आजीविका के साधन उपलब्ध कराए जाने की आवश्यकता जताई। प्रो. दीपक खरे ने कहा कि जल संरक्षण और संवर्धन दोनों को साथ करने की आवश्यकता है। आईआईटी दिल्ली के समन्वयक प्रो. विवेक कुमार ने इस विषय पर देश के 12 राज्यों के लिए कोविड-19 की परिस्थितियों में वेबिनार आयोजित करने के लिए क्षेत्रीय समन्वयक की प्रशंसा की। वेबिनार में प्रो. आशीष पांडेय, प्रो. प्रदीप लिंग्फा, डॉ. आफाक आलम, डॉ. हरवीर चौधरी, डॉ. रंजीत प्रसाद, प्रो. एसके मिश्रा ने भी हिस्सा लिया।

जल संरक्षण के लिए गांव में चलेगी मुहिम

हरिद्वार। जिला प्रशासन ने सभी गांवों में मनरेगा योजना के तहत तालाबों का विकास करने और सोख्ता पिट बनाकर पानी का संरक्षण करने का अभियान शुरू कर दिया है। सभी ग्राम प्रधानों को इस बारे में बाकायदा मुहिम के रूप में लेने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत भी करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल अपने संदेश में देशवासियों से अपील की थी कि गांव में जल संरक्षण करें। इसके लिए उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का मंत्र दिया था। जिला प्रशासन इस बार इस मुहिम को आगे बढ़ाने में जुटा है। जिला पंचायती राज अधिकारी रमेश चंद्र त्रिपाठी ने सभी ग्राम प्रधानों को सरकारी योजना की जानकारी देते हुए अपने अपने गांव में तालाबों का विकास करने और बारिश का अधिक से अधिक पानी संरक्षित कर उसे सदुपयोग करने के निर्देश दिए हैं ताकि गर्मी के मौसम में जलस्तर लगातार व्यवस्थित बना रहे। जिला पंचायत राज अधिकारी रमेश चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि भगवानपुर ब्लॉक के ग्राम झिडियान ग्रांट में हैंडपंप के आसपास सोख्ता पिट बनवा कर लोगों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस तरह की मुहिम अन्य सभी गांव में भी शुरू की गई है। मनरेगा योजना के तहत तालाबों का विकास और सुंदरीकरण करने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि गर्मी में जल का संकट दूर करने के लिए यह कदम उठाए गए हैं। जिलाधिकारी सी रविशंकर ने भी लोगों को इस कार्य के लिए प्रेरित किया है। जिला पंचायत राज अधिकारी ने बताया कि इस दिशा में बेहतर काम करने वाली ग्राम सभाओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। दीवार पेंटिंग और स्लोगन राइटिंग के जरिये भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है।